पंजाब केसरी
JAIPUR

8 दिसम्बर, 2017, शुक्रवार

बड़े व्यवसाइयों को नीति निर्माण का हिस्सा बनने की आवश्यकता : सुनील अरोड़ा

पंजाब केसरी/जयपुर

केन्द्रीय चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने कहा है कि यह एक मिथक है कि तेजी से बढ़ते निजीकरण वाले विश्व में नीति निर्माण का कार्य केवल सरकार में बैठे लोगों की ओर से ही किया जा सकता है। भारत के बड़े व्यवसायी भी असमानताओं को कम करने में मदद कर सकते हैं। अरोड़ा गुरुवार को यहां ओटीएस में आयोजित एमएल मेहता मेमोरियल ऑरेशन के तीसरे संस्करण को सम्बोधित कर रहे थे। ऑरेशन का आयोजन एम.एल. मेहता मेमोरियल फाउंडेशन और एचसीएम राजस्थान स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

सुनील अरोड़ा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त आईएएस अनिल कुमार ने किया। एमएल मेहता आईआईएचएमआर विवि जयपुर के फाउंडिंग ट्रस्टी थे।

शेष पृष्ठ 4 पर

शुद्ध एवं त्रुटि रहित मतदाता सूची लोकतंत्र का आधार

अरोड़ा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शुद्ध एवं त्रुटि रहित मतदाता सूची लोकतन्त्र का आधार है, इसलिए त्रुटि रहित मतदाता सूची के लिए निरन्तर प्रयास किए जाएं। अरोड़ा एक होटल में निर्वाचन विभाग से सम्बन्धित विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान-2018 की समीक्षात्मक बैठक को सम्बोधित कर रहे थे।

बड़े व्यवसायियों को...

शिक्षा-स्वास्थ्य के लिए बजट आवंटन किए जाने की जरूरत : अरोड़ा ने कहा कि भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास एवं रोजगार के क्षेत्रों में सामाजिक व्यय को व्यापक रूप से बढ़ाया जाना चाहिए। शिक्षा एवं स्वास्थ्य के लिए वैश्विक मानकों के अनुरूप बजट आवंटन किए जाने की आवश्यकता है। इतिहास में राष्ट्र की सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था के परिवर्तन में शासन के प्रभाव का समाज साक्षी रहा है। राष्ट्र को वैश्विक शक्ति में बदलने के लिए एकजुट एवं मजबूत करने के लिए ढांचा तैयार करने में शासन, इसके घोषणा पत्र एवं नीति निर्माण मदद करते हैं। कार्यक्रम की शुरुआत स्वर्गीय एम.एल.मेहता को पुष्पांजलि के साथ हुई। एमएलएमएमएफ के अध्यक्ष राकेश मेहता ने स्वागत भाषण दिया। एनजीओ सुमेधा की ओर से 15 विद्यार्थियों को एक लाख रुपए की स्कॉलरशिप दी गई। इस मौके पर एचसीएम आरआईपी की महानिदेशक गुरजोत कौर भी उपस्थित थीं।